वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 175 | गुरुवार 20 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बेरोजगारों ने खोला कांग्रेस-बीजेपी के खिलाफ मोर्चा

उपेन बोले-गुजरात में ही काली दिवाली मनाएंगे, मरते दम तक पीछे नहीं हटेंगे

जयपुर. कासं। गुजरात में जेल से रिहा होने के बाद राजस्थान के बेरोजगारों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। बेरोजगारों ने कहा कि हम पिछले 18 दिनों से गुजरात में संघर्ष कर रहे हैं लेकिन ना तो सत्ताधारी कांग्रेस और ना ही विपक्षी पार्टी बीजेपी हमारा साथ दे रही है। ऐसे में आने वाले चुनाव में राजस्थान के युवा दोनों पार्टियों को सबक सिखाएंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि पिछले लंबे समय से हम जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं लेकिन सरकार द्वारा हम से अब तक बातचीत नहीं की गई। वहीं विपक्ष की भूमिका निभाने वाली बीजेपी के नेता भी आंख मूंद बैठे हैं। ऐसे में हम तब तक राजस्थान नहीं लौटेंगे। जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता। चाहे इसके लिए हमें अपनी जान ही क्यों ना देनी पड़े।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में...

जेम्स एंड ज्वैलरी मैन्युफैक्ररर एसोसिएशन राजस्थान हाट बाजार में लगाएगी 4 दिवसीय दीपावली मेला

जयपुर. कासं

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग व उद्यम प्रोत्साहन संस्थान के सहयोग से जेम्स एंड ज्वैलरी मैन्युफैक्ररर एसोसिएशन 20 अक्टूबर से जयपुर के जल महल पर चल रहे राजस्थान हाट बाजार में 4 दिवसीय दीपावली मेला प्रदर्शनी का आयोजन करेगी। उद्योग विभाग के अतिरिक्त निदेशक एसएस शाह ने बताया कि 20 से 23 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में विभिन्न क्षेत्रों के कुशल आर्टिजंस (हस्तशिल्पी) एवं सूक्ष्म, लघु उद्यमी (एमएसएमई) प्रतिभागी भी भाग ले रहे हैं। प्रदर्शनी को राजस्थानी कला व संस्कृति की थीम दी गई है। अतिरिक्त निदेशक विपुल जानी ने कहा कि संस्थाओं के सहयोग से हस्तशिल्पियों को नई पहचान और खुला बाजार मिलेगा।

उन्होंने आमजन से हस्तशिल्पियों के उत्साहवर्धन के लिए ऐसी प्रदर्शनियों में जाने का आग्रह भी किया। जेम्स एंड ज्वैलरी मैन्युफैक्ररर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार सोनी ने बताया कि प्रदर्शनी में 50 ज्यादा हैंडमेड ज्वैलरी, टैक्सटाइल की स्टॉल लगाई जाएंगी। प्रदर्शनी का उद्देश्य हस्तशिल्पियों की कला को बेहतर मंच देना और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध करना है। प्रदर्शनी का संयोजन श्री सोमिल जगज्यो द्वारा किया जा रहा है।

गुजरात में 15 लाख राजस्थानियों को साधने जाएंगे भाजपा नेता

4 केंद्रीय मंत्री, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष पूनिया, सांसद-विधायकों समेत 108 नेताओं की टीम

जयपुर. कासं

भाजपा ने गुजरात में बसे 15 लाख राजस्थानियों को गुजरात विधानसभा चुनाव में साधने के लिए राजस्थान से बड़े लेवल पर पार्टी नेताओं की ड्यूटी लगाई है। राजस्थान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष, 4 केंद्रीय मंत्रियों, 2 सांसद-पूर्व सांसद, 7 विधायक-पूर्व विधायक को चुनाव प्रचार का टास्क दिया गया है। गुजरात के विधानसभा चुनाव प्रचार में राजस्थान समेत देशभर के पार्टी के सीनियर लीडर्स और केंद्रीय मंत्रियों की टीम को उतार दिया है। पड़ोसी राज्य होने के कारण गुजरात में राजस्थान के 4 केंद्रीय मंत्रियों- गजेंद्र सिंह शेखावत, भूपेंद्र यादव, अर्जुनराम मेघवाल, कैलाश चौधरी के अलावा बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया समेत संगठन के 108 नेताओं की टीम को जिम्मा सौंपा गया है।

गुजरात में 51 विधानसभा क्षेत्रों में 15 लाख से ज्यादा राजस्थानी

नॉर्थ गुजरात में 9 बीजेपी के संगठन जिलों में 43 विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें अहमदाबाद नॉर्थ, अहमदाबाद साउथ, गांधी नगर शहर, गांधी नगर ग्रामीण, कच्छ-भुज, बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन, अरावली जिले शामिल हैं। इनके अलावा 8 जिलों- सूरत, वड़ोदरा, राजकोट, भावनगर, भुज, मेहसाणा, जामनगर, पालनपुर में भी बड़ी तादाद में प्रवासी राजस्थानी हैं। कुल 51 शहरों में 15 लाख से ज्यादा प्रवासी राजस्थानी होने का मोटे तौर पर अनुमान है। इनमें 4 लाख आदिवासी हैं, जो दक्षिण राजस्थान से हैं। दो बड़े जिलों में ही 5 लाख राजस्थानी रहते हैं। इनमें अहमदाबाद में 2.25 लाख और सूरत में 2.75 लाख से ज्यादा राजस्थानी बसे हैं। गुजरात की कुल आबादी 7 करोड़ 4 लाख के करीब है। इसमें लगभग 1.50 करोड़ दूसरे राज्यों के आए लोगों की है। पड़ोसी राज्य होने के कारण इनमें राजस्थानियों का बड़ा आंकड़ा है। कोविड लॉक डाउन के वक्त इनमें से करीब 1.75 लाख लोग गुजरात से राजस्थान आए थे। राजस्थान के केंद्रीय मंत्रियों, सांसद, विधायक,नेताओं को प्रवासी राजस्थानियों को साधने का टास्क पार्टी ने दिया है। गुजरात में रहने वाले और राजस्थान में रहने वाले गुजराती समाज से ये नेता सम्पर्क साध रहे हैं। 107 नेता गुजरात में डेरा डाले हुए हैं। जबकि बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया बीच-बीच में दौरा करने जाते रहेंगे। हाल ही पूनिया अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर का चुनावी दौरा करके आए हैं।

सेलिब्रिटी न्यूट्रीनिस्ट रुजुता दिवेकर से जानें प्रभावी आसन...

जकड़न की शिकायत को अब कहें हंसते हुए 'ना'

भाग-दौड़ भरी जिंदगी में लोग न ठीक से खा पा रहे हैं और न ही भरपूर नींद ले पाते हैं. इसके चलते जोड़ों और शरीर के बाकी किसी हिस्से में दर्द, जकड़न की शिकायत आम हो गयी है. इस स्थिति से निजात पाने में योग मददगार है. हालांकि, यह पता होना जरूरी है कि कौन-सा आसन कब व कैसे करें.

पीएमएस से राहत दिलायेंगे ये आसन

सेलिब्रिटी **न्यूट्रीनिस्ट रुजुता दिवेकर** ने तीन सरल व प्रभावी आसन शेयर किये हैं, जो आपको दर्द, प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम (पीएमएस) से राहत दिलायेंगे. सीधे सोने पर पीठ पर एक चाप बनता है और उसमें बहुत दर्द होता है. यह स्थिति चाप के बनने से बचाती है और आपको पूरी तरह से आराम करने में मदद करती है. अपनी हथेलियों को बगल में रखें और 10-15 मिनट के लिए झपकी लें. कुछ मिनट विश्राम करने के बाद अपने पैरों को मोड़ें और उन्हें अपनी छाती के ऊपर रखें और कुछ देर रुकें. अपनी दायीं ओर रोल करें और कुछ देर तक फर्श को देखते रहें और आरामपूर्वक उठें.

रुजुता दिवेकर को जानिए

रुजुता सेलिब्रिटी पोषण विशेषज्ञ और लेखिका हैं. वह एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी से प्रतिष्ठित 'न्यूट्रीशन अवार्ड' की विजेता हैं. 2012 में पीपल पत्रिका द्वारा भारत की 50 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में चुना जा चुका है. इन्होंने शिवानंद योग वेदांत फॉरेस्ट एकेडमी, उत्तरकाशी से जुड़कर योग, वेदांत व आयुर्वेद का अध्ययन किया है. पिछले 20 वर्षों से उद्योगपतियों, खेल से जुड़ी हस्तियों से लेकर समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों को रुजुता सेवाएं देती आ रही हैं.

पहला आसन

इसे करने के लिए पीठ पर किसी कुर्सी या सोफे का सहारा लेकर फर्श पर बैठ जाएं. अब, एक पैर उठाएं और इसे विपरीत दिशा के साथ दूसरे पैर पर फैलाएं. हाथों की दोनों अंगुलियों को शरीर के दोनों ओर नीचे रखें और अपने कूल्हों को थोड़ा ऊपर उठाने का काम करें. अपनी छाती और गर्दन को सीधा रखते हुए और अपने पिछले शरीर को नीचे की ओर रखते हुए वहां रहकर काम करें. अगर आप इसे फर्श पर नहीं कर सकते हैं, तो बस पीछे हटें और पीछे के सोफे से सहारा लें. अपनी भुजाओं को बगल में रखें, अपने कंधों को पीछे की ओर मोड़ें, अपनी छाती को खोलें और वहीं रहें. अपने पैर की उंगलियों को छत की ओर संकेत करें. पांच सेकेंड तक ऐसे ही रहना है.

● **अन्य लाभ :** पीठ और पैरों में जकड़न से आराम

दूसरा आसन

पहले खिंचाव के बाद अपना एक हाथ अपने घुटने के नीचे रखें और पैर को अपनी पेल्विक के नजदीक लाने में अपनी मदद करें. दूसरे पैर के साथ भी ऐसा ही करें और अपने पैरों को अपनी पेल्विक के करीब लाएं. अब, चूंकि पैर की अंगुलियां एक साथ हैं, उन्हें एक खुली किताब की तरह खोलें. घुटनों को नीचे करने का काम करें, अपने कंधों को फिर से रोल करें और छाती को ऊपर उठाएं. इस स्थिति में पांच सेकेंड तक बैठें. इस बीच अगर आप अपने घुटने की जांघों के नीचे ऐंठन महसूस करते हैं, तो आप कुछ राहत के लिए एक तकिया ले सकते हैं और इसे अपने घुटनों के नीचे रख सकते हैं.

● **अन्य लाभ :** इस आसन से पीठ और जोड़ों में दर्द से राहत मिलेगी.

तीसरा आसन

लोगों को कई कारणों से पीठ दर्द की समस्या का सामना करना पड़ता है. यह आसन आराम करने और समस्याओं से निबटने में मदद करता है. इसके लिए अपनी दिशा बदलें व चेहरे को सोफे या बिस्तर की तरफ करें. अब पैरों को एक-एक करके सोफे पर रखें व खुद को धीरे-धीरे नीचे छोड़ें. अब, जब आप लेटते हैं, तो सिर पीछे नहीं हटना चाहिए. अगर सिर पीछे की ओर जा रहा है, तो तकिये का इस्तेमाल करें और सिर को सहारा दें. ऐसी स्थिति में रहें जहां आपके पैर आपके शरीर के लंबवत हों, आपके पैर शिथिल हों, आपकी पीठ के निचले हिस्से और आपके कूल्हे जमीन पर पूरी तरह से सपाट रहें.

● **अन्य लाभ :** पीठ की हड्डी सीधी रहेगी.

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा 260 वां भक्तामर पाठ का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी के सदस्यो ने अपना 260 वां भक्तामर पाठ 48 दीपक प्रज्ज्वलित कर रिद्धि मन्त्रो के साथ शान्ति नगर,दुगार्पुरा स्थित श्री चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर मे सम्पन्न किया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि हेरिटेज ग्रुप अपने स्थापना वर्ष 2001 से निरन्तर प्रतिमाह विभिन्न मन्दिरो मे भक्तामर पाठ करता आ रहा है इसी क्रम मे आज 260 वीं कडी का आयोजन यहां हुआ। ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने उपस्थित सभी धर्म श्रेष्ठीजनो को दीपावली की अग्रिम बधाई दी और कहा कि आज यह अनुष्ठान कर हेरिटेज ग्रुप ने दीपावली का आगाज कर दिया है। हेरिटेज ग्रुप के पधाधिकारीयो का मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बडजात्या ने तिलक लगा माला पहनाकर स्वागत किया। मन्दिर समिति के सहसचिव सुरेश चंद श्रीमाल ने हेरिटेज ग्रुप द्वारा भक्तामर के माध्यम से धर्म प्रभावना फेलाने के लिए बधाई दी। कार्यक्रम संयोजक शान्ति काला ने सम्पुर्ण कार्यक्रम का सुन्दर संचालन किया। इस अवसर पर ग्रुप के पुर्व अध्यक्ष शान्ति कुमार-रेणु काला की और से मन्दिरजी को एक दीवार घड़ी भेंट की गई। अतं मे ग्रुप सचिव अरूण पाटनी ने समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए मन्दिर प्रबंध समिति का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

स्वयं को बचाना अनिवार्य है...

ईसा मसीह को जब सूली पर चढ़ाया जा रहा था तो उन्होंने यही कहा था कि हे ईश्वर इन लोगों को क्षमा कर देना, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं। क्षमा अच्छी बात है, लेकिन हम सबमें इतनी क्षमता और धैर्य नहीं होता है कि हम अपना अहित करने वालों को क्षमा कर सकें। हम दूसरों को क्षमा कर सकें तो भी अपना बचाव करने में क्या बाधा या बुराई हो सकती है? इतना निश्चित है कि हर समाज में हर जगह ऐसे असंख्य लोग होते हैं जो अपने निहित स्वार्थों के चलते दूसरों का अहित करने, लूटने या उन्हें नष्ट करने तक से नहीं चूकते। यदि हम बहुत गहरे में उतर कर देखें तो गलत कार्य करने वाले वास्तव में जानते ही नहीं कि वे गलत कर रहे हैं, लेकिन जाने या अनजाने में किए गए उनके गलत कार्य हमें हानि पहुंचा सकते हैं या पूर्ण रूप से नष्ट कर सकते हैं। अतः स्वयं को बचाना अनिवार्य है। अर्थात हमें उनकी तरह से कोई गलत कार्य अथवा जैसे को तैसा वाली नीति न अपनाकर भी अपना बचाव अवश्य करना चाहिए। और इसका एक ही उपाय है और वह यह कि हम गलत लोगों को प्रहार करने का मौका ही न दें। उनके प्रलोभनों व षड्यंत्रों से बचने के लिए सदैव सचेत व सतर्क रहना अनिवार्य है। ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाने वाले अथवा सुकरात को विष का प्याला पीने के लिए विवश करने वाले लोगों का अस्तित्व पहले भी था और आज भी है। यह बात जरूर है कि आज उनकी संख्या बहुत बढ़ गई है। अतः सावधानी की जरूरत भी बढ़ गई है। साथ ही यह भी जरूरी है कि यदि हमारे अंदर गलत तत्व हैं तो हम उन्हें भी दूर करें। चूंकि दूसरों को नहीं सुधार सकते या गलत कार्य करने से नहीं रोक सकते इसलिए उनसे हर हाल में सावधान रहें। सावधानी वह पहला तरीका है जिससे हम खुद को आने वाले संकटों से बचा सकते हैं। इसके लिए हमें अपने अंदर विवेक को जागृत करना होगा ताकि हम सही और गलत की पहचान कर सकें। गलत लोगों से सीधे मुकाबला करने या कुछ कहने अथवा उनकी आलोचना करने की अपेक्षा अपना बचाव करने की कोशिश करना ही उचित प्रतीत होता है। कहा गया है कि सावधानी में ही बचाव है।

संपादकीय

...तो सड़कों पर उतर आए कार्यकर्ता

अब भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जैसे राजनीतिक दलों को अपना जनाधार बढ़ाने की जमीन नजर आने लगी है। नेशनल हेराल्ड मामले में जब सोनिया गांधी और राहुल गांधी से पूछताछ हो रही थी, तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसे केंद्र के इशारे पर कार्रवाई करार देते हुए दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन किया था। उसके चलते कई दिन तक दिल्ली पुलिस और उन रास्तों से गुजरने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था। अब वही तरीका आम आदमी पार्टी ने अख्तियार कर लिया। नई आबकारी नीति बनाने और शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितता के आरोप में जब केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए तलब किया तो आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। उपराज्यपाल ने इस मामले में जांच के आदेश दिए, तभी से आम आदमी पार्टी के नेता इसे भाजपा की बदले की कार्रवाई बताते रहे हैं। वे दावा करते रहे हैं कि सीबीआइ के छापों में मनीष सिसोदिया के घर और उनके गांव में कुछ भी नहीं मिला।

अब वह किन्हीं अपरिचित लोगों के यहां छापे मार कर उन्हें मनीष सिसोदिया के करीबी बता कर बेवजह परेशान करने की कोशिश कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री तो हर सार्वजनिक मंच से घोषणा करते रहे कि मनीष सिसोदिया को केंद्र सरकार गिरफ्तार करना चाहती है, वह गिरफ्तार कर ही लेगी। दो दिन पहले उन्होंने यहां तक कह दिया कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन आज के भगत सिंह हैं। वे शहादत को तैयार हैं। जब सीबीआइ ने मनीष सिसोदिया को पूछताछ का नोटिस भेजा तो उन्होंने ट्वीट करके कहा कि उन्हें सीबीआइ ने बुलाया है और वे उसके सवालों का जवाब देने जाएंगे। फिर सोमवार को वे बाकायदा ह्यरोड-शोह्ण करते हुए राजघाट गए और गांधी समाधि पर शीश नवाने के बाद सीबीआइ कार्यालय गए। उनके साथ कार्यकताओं-समर्थकों का हुजूम भी गया। उन पर लगातार मीडिया की नजर बनी रही। दिन भर उनसे पूछताछ को लेकर खबरें चलती रहीं। यह कितना अजीब है कि कोई जनप्रतिनिधि अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के आरोप को इस तरह महिमामंडित करे। अगर वे सचमुच पाक-साफ हैं और सीबीआइ को उनके घर से कुछ नहीं मिला है, तो फिर डर किस बात का। उन्हें जनता के सामने खुद को साफ-सुथरा, ईमानदार साबित करने के बजाय सीबीआइ का सामना करने की कोशिश करनी चाहिए। विपक्षी दलों के इस आरोप को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग अपने विरोधियों को सबक सिखाने के लिए कर रही है। मगर पहले की सरकारों पर भी यही आरोप लगते रहे हैं। यूपीए सरकार के समय तो सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआइ को पिंजरे का तोता तक कह दिया था। मगर इस तरह किसी को सड़क पर समांतर अदालत लगाने का अधिकार नहीं मिल जाता। सीबीआइ को अपनी जांच में सिसोदिया से पूछताछ का आधार हाथ लगा होगा, तभी उसने नोटिस भेजा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

युद्ध के मुहाने

पिछले करीब आठ महीने से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध अब और जटिल दौर में पहुंच गया है। यों इस टकराव के सबसे गंभीर और संवेदनशील स्वरूप में पहुंचने के बावजूद यह उम्मीद बनी हुई थी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोशिशें जारी थीं कि किसी तरह यह जंग रुके और दोनों देशों के बीच सुलह हो। मगर बीते कुछ दिनों के घटनाक्रम से यह आशंका पैदा हो गई है कि यह युद्ध कहीं दुनिया के अन्य देशों के बीच भी न फैल जाए। गौरतलब है कि हाल ही में रूस के क्रीमिया पुल के एक हिस्से को तबाह कर दिया गया था, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव ने गंभीर शक्ल अख्तियार कर ली थी। उस हमले के बाद रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए थे और तभी इस बात की आशंका उभरी थी कि शायद हालात और बिगड़ें। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस की निंदा करने से लेकर अन्य स्तर पर युद्ध खत्म कराने की कोशिशें जारी थीं। अब जो नया घटनाक्रम सामने आया है, वह न केवल यूक्रेन, बल्कि समूचे विश्व के लिहाज से चिंताजनक है। हाल में यूक्रेन ने नाटो में शामिल होने को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी, जिसके बाद नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावना बनी। लेकिन नाटो की सुगबुगाहट के बाद रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का जो रुख सामने आया है, उसने दुनिया के तमाम देशों की चिंता बढ़ा दी है। पुतिन ने साफ लहजे में कहा है कि अगर किसी भी मामले में रूसी सेना के साथ नाटो सैनिकों का सीधा संपर्क या फिर टकराव हुआ तो यह एक बहुत ही खतरनाक कदम होगा, जो वैश्विक तबाही का कारण बन सकता है और मुझे उम्मीद है कि जो लोग ऐसा कह रहे हैं, वे इतने समझदार हैं कि ऐसा कदम न उठाएं। रूस ने जिन हालात में और जो वजहें बता कर यूक्रेन पर हमला किया था, उसके मद्देनजर देखें तो अगर सचमुच नाटो सैन्य स्तर पर दखल देता है, तो युद्ध के भावी स्वरूप और त्रासदी की कल्पना की जा सकती है। खासकर पुतिन ने जिस भाषा में टकराव के नतीजों के बारे में चेतावनी दी है, उससे कई तरह की आशंकाएं खड़ी हो गई हैं। दरअसल, पुतिन पहले ही यह कह चुके हैं कि वे रूस को सुरक्षित रखने के लिए परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से भी नहीं हिचकेंगे। इसके बाद जी-7 देशों के समूह ने कहा था कि रूस की ओर से किसी भी तरह के रासायनिक, जैविक और परमाणु हथियारों का इस्तेमाल बेहद गंभीर हालात पैदा करेगा। यूक्रेन के अपने कब्जे वाले चार क्षेत्रों को रूस पहले ही अपने में मिला चुका है और अब भी वह पीछे हटने की मुद्रा में नहीं दिख रहा। दूसरी ओर, यूक्रेन कमजोर होने के बावजूद मोर्चा छोड़ने को तैयार नहीं है। अपनी स्थिति से वाकिफ होने के बावजूद वह जिस तरह अमेरिका और नाटो के सहयोग की ओर बढ़ रहा है, उससे युद्ध के नए मोर्चे बनने की आशंका है। अगर किन्हीं स्थितियों में नाटो के बीच में आने के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता है तो आखिरी तौर पर जीत चाहे जिसकी हो, मगर इससे होने वाली तबाही की भरपाई शायद कभी नहीं की जा सकेगी। समय रहते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस और यूक्रेन के इस युद्ध को रोकने की ठोस कोशिश करनी होगी, अन्यथा इसका हश्र इंसानियत के खिलाफ बेहद त्रासद हो सकता है।

आकुलता मिटाने से आकुलता मिटेगी: आचार्य श्री सुनील सागर

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। आचार्य गुरुवर सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण तथा मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि दिल्ली से पधारे समाज बन्धुओं ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण कर भक्ति भाव से गुरुवर की पूजा की और आगामी चातुर्मास हेतु निवेदन किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा ने बताया धर्म सभा मे जनकपुरी दिगंबर जैन समाज ने गुरुदेव के समक्ष प्रभु वर्धमान स्वामी के निवाणोत्सव पर पूज्य गुरुवर व संघ का सानिध्य प्राप्त करने हेतु निवेदन किया। आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन राकेश जैन, अंकुर, अंकित भारतस्थली कनॉट प्लेस नई दिल्ली परिवार ने किया। पूज्य गुरु देव को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया पूज्य आचार्य भगवंत ने अपने मंगल उद्बोधन में श्रावकों को उपदेश देते हुए कहा जिनवाणी का हमें एक पन्ना नहीं, प्रवचन सार नियम सार जैसे ग्रंथ मिले हैं। यह हमारा सौभाग्य है। दुनिया आज चकाचौंध के पीछे भाग रही है, चाहे मंत्री हो या प्रधानमंत्री हो बस संगठन को निभाने की शक्ति होनी चाहिए। मुनि जन कभी ध्यान में हो और आशीर्वाद नहीं दे पाए तो यह मत सोचना, आशीर्वाद क्यों नहीं मिला बस सोच लेना ध्यान में बैठे हैं तो ध्यान करने दो ,यह सोच लेना ऐसे दिगंबर मुद्रा के दर्शन हो गए वीतरागी प्रतिबिंब के दर्शन हो गए । कभी भी अकारण ही किसी भी दोष को, दूसरे का कभी मत मानो क्योंकि विकार स्वयं में होता है हम जैसे विचार करेंगे वैसी ही परिणति होगी। कुल्हाड़ी पैर पर गिर जाए तो गलती किसकी? वह तो स्वयं की ही है अग्नि को पीटा नहीं जा सकता है परंतु लोहे की संगति, की तो अग्नि को भी मार पड़ती है। दीपक की लौ के स्वभाव से समझ लो लो ने तेल को अपने जैसा बना लिया। सिद्ध सदैव स्वभाव में रहते हैं हम मनुष्य किसी ने किसी विकल्प में हैं। स्वतंत्रता का आनंद अलग होता है। गठबंधन की सरकार को हमेशा खटका बना रहता है वैसे ही आत्मा और शरीर का गठबंधन है जहां हमेशा खटका बना रहता है। आकुलता मिटाने से आकुलता मिटेगी।

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ की तीन दिवसीय यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ के अध्यक्ष अभय एवम सदस्य अजय की माताजी श्रीमती शकुंतला गंगवाल धर्मपत्नी मोहनलाल गंगवाल की चतुर्थ पुण्यतिथि के अवसर पर उनके सौजन्य से 35 सदस्यों की तीन दिवसीय यात्रा 15 अक्टूबर से 18 अक्टूबर कुंडलपुर बड़े बाबा की आयोजित की गई। इस अवसर पर ज्ञान चन्द गंगवाल द्वारा भजनों एवं गानो के द्वारा सभी का भर पूर मनोरजंन किया गया। शुभम जैन, हर्षित जैन, अंशुल जैन, श्रीयांश जैन एवं मास्टर गुनिन जैन द्वारा सभी सदस्यों का पूरा ध्यान रखने मे सहयोग दिया गया। कार्यकारणी सदस्य प्रदीप अजमेरा, अजय बड़जात्या ने बताया सभी सदस्यों ने यात्रा का आनंद उठाया ।

आचार्य सुनील सागर महाराज के जीवन पर आधारित पुस्तक महाविज्ञ के नवीन संस्करण का विमोचन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री राजस्थान अशोक गहलोत के द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर महाराज गुरूराज के जीवन चरित्र पर आधारित व लेखिका महाविज्ञ पुस्तक के नवीन संस्करण का विमोचन किया गया जिसका लेखन श्रीमती सरोज जैन इंदौर द्वारा किया गया है। इस अवसर पर वो भी मौजूद रही व ग्रन्थ प्रकाशन करने का पुण्य लाभ श्री भारतवर्षीय दशा हुमड जैन समाज अध्यक्ष दिनेश खोड़निया, साधना कोठारी, नरेंद्र खोड़निया व धनपाल शाह को प्राप्त हुआ। अभिषेक जैन लुहाडीया रामगंजमडी की रिपोर्ट

पांच दिवसीय दीपोत्सव की तैयारी नजर आने लगी चहुंओर

उदयपुर/जयपुर. शाबाश इंडिया

चिकनी गीली मिट्टी को आकार देकर आकर्षक दीपक और मटकी बनाने वाले माटी के कलाकार पिछले कई दिनों से पारंपरिक दीयों से लेकर अलग-अलग डिजाइन व आकार में दीपक, हीड या दीप पुतलियां और मटके तैयार करने में जुटे हैं। कुछ साल पहले तक चीन के बने डिजाइनर दीयों ने स्थानीय बाजार पर कब्जा जमा रखा था, लेकिन पिछले दो चार साल में स्थिति बदली है। कोरोना काल के बाद इस साल मिट्टी से दीया बनाने वाले स्थानीय कलाकारों में डिजाइनर व आकर्षक दीये बनाने के प्रति खासा उत्साह देखा जा सकता है। इसके अलावा आमजन की लोकल फॉर वोकल की मानसिकता के कारण चाइना के दीये और साज सज्जा वाली विद्युत लाइट अब चलन से बाहर नजर आने लगे हैं। लेकसिटी में कुम्हारवाडा के अलावा कुम्हारों के भट्टे पर बसे प्रजापति परिवार बताते हैं कि बरसों से उनके पुरखे पारंपरिक दीपक हीड और माटी की मटकियां बनाते रहे हैं, लेकिन कुछ दशक से चीनी बाजार के ज्यादा आकर्षक और सस्ते दीपक और लाइटों ने देश भर में स्थानीय कलाकारों की रोजी रोटी पर संकट पैदा कर दिया। हालांकि अब फिर से स्थानीय बाजार के उत्पादों की मांग बढ़ गई है। बाजार में 1 रुपए से लेकर 50 रुपए तक की कीमत के दीये बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। वहीं आसपास क्षेत्र में दीपोत्सव पर हीड या दीप पुतली का खासा चलन होने से शहर के स्थानीय प्रजापति समाज कलाकार समय रहते उनके निर्माण और साज सज्जा में जुटे हैं। भारतीय संस्कृति में दीपावली के साथ ही कई परिवार घरों में पानी के लिए नई मटकी खरीदना शुभ मानते हैं। इसलिए बाजार में छोटी से बड़ी कलात्मक मटकियां भी बिक्री के लिए सजी हुई देखी जा सकती है। दीवाली को लेकर घर, प्रतिष्ठान, गली मोहल्ले और मुख्य बाजार सज संवर कर तैयार

हो गए हैं। पांच दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ 22 अक्टूबर को धनतेरस से होगा। स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरि के पूजन के साथ ही पूरे दिन खरीददारी की जा सकेगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस खरीदी को लेकर कोई मुहूर्त विशेष देखने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि पूरे दिन कुछ भी सामान खरीदा जा सकेगा। गौरतलब है कि 22 अक्टूबर शनिवार को सूर्योदय से उदयाकाल तिथि द्वादशी रहेगी, इसके बाद शाम 4.20 बजे से त्रयोदशी तिथि शुरू हो जाएगी, जो कि दूसरे दिन 23 अक्टूबर को शाम 4.51 बजे तक रहेगी। धनतेरस का पूजन द्वादशी युक्त त्रयोदशी तिथि में शनिवार को होगा। धनतेरस को खरीदारी के लिए पूरा दिन शुभ माना जाता है। इसमें मुहूर्त विशेष देखने की कोई आवश्यकता नहीं होती है। ऐसे में आमजन धनतेरस पर सूर्योदय से मध्यरात्रि तक सोना, चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, उपहार सामग्री, वस्त्र एवं वाहन आदि खरीदते हैं। इसके अगले दिन रूप चौदस या नर्क चतुर्दशी पर महिलाएं और युवतियां सजती संवरती हैं और फिर दीवाली पर लक्ष्मी गणेश पूजन दर्शन, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव सम्पन्न होगा।

रिपोर्ट एवम फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल: 9829050939

सच्चा सुख संतोष में है असंतोष में नहीं : आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

अमन जैन कोटखावदा.शाबाश इंडिया

निवाई । श्री शांतिनाथ दिगम्बर अग्रवाल जैन मंदिर निवाई में आर्यिका श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि संसार का हर प्राणी सूख चाहता है जब कभी हम किसी सुखी व्यक्ति के विषय में विचार करते हैं तो हमारी दृष्टि में आता है कि सुखी वहीं है जो स्वस्थ है जिसका शरीर निरोगी है थोड़ा आगे बढ़ते हैं तो मुझे यह लगता है कि जिसके पास धन संपत्ति है संपदा है प्रतिष्ठा है वर्चस्व है वह व्यक्ति बहुत अधिक सुखी है जिसकी अच्छी संपत्ति है अच्छे पुत्र पुत्री हैं भरा पूरा परिवार है वह सुखी है। कभी-कभी मैं सोचती हूं जिसके परिवार में आन्तरिक सामंजस्य है वह व्यक्ति सुखी है जिसकी अनुकूल पत्नी है जिनका एक दूसरे के प्रति व्यवहार आत्मीयता पूर्ण है, यह व्यक्ति सुखी है ऊपर से देखने में यह सब सुखी दिखाई पड़ते हैं, लेकिन जब इनके जीवन में हम झांककर देखते हैं तो हमें ऐसा लगता है कि यह भी कहीं ना कहीं दुखी है किसी ना किसी कारण से संसार का हर प्राणी दुखी है तो आखिर सुखी कौन है ? सुखी वह नहीं जिसके पास अपार धन संपदा और बह यह साधन को सुखी केवल वही हो सकता है जो हर समय संतुष्ट रहकर जीवन जीने की कला जानता है ।

समाजसेवी ओम जैन सर्राफ ने, जैन मुनि श्री 108 अमित सागर जी महाराज जी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया

कोटा. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर तलवंडी कोटा में परम पूज्य प्रज्ञा श्रमण मुनि 108 श्री अमित सागर जी महाराज ससंघ को श्रीफल भेंट कर समाजसेवी ओम जैन सर्राफ ने आशीर्वाद लिया । अपने प्रवचन में जैन मुनि श्री अमित सागर जी महाराज ने कहा कि भगवान की श्रद्धा सच्ची होना चाहिए, पक्की नहीं होना चाहिए । कई बार श्रद्धा सच्ची नहीं होने से बहुत सारी चीजें अनावश्यक रूप से पैदा हो जाती है । इस अवसर पर महाराज श्री 108 अमित सागर जी का पाद प्रक्षालन, श्री सकल दिगंबर जैन समाज के सदस्य ओम जैन सर्राफ, तलवंडी जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश हरसोरा,तलवंडी जैन मंदिर के पूर्व अध्यक्ष सुरेश चांदवाड ने किया। इस अवसर पर जैन समाज तलवंडी कोटा के महावीर जैन शाह, श्रवण बड़जात्या सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

महामस्तकाभिषेक एवम पंचकल्याणक महोत्सव के लिये आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज का आशीर्वाद लिया

मुंबई. शाबाश इंडिया

जिसका हमें था इंतजार जिसके लिए था मन बेकरार वो घड़ी आ गई आ गई आज बाबा का अभिषेक करना है हमें बाबा के द्वार पर जाना है जी हां राणा प्रताप मीणा और पन्नाधाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत के जन जन के महावीर वर्तमान शासन नायक 1008 श्री महावीर स्वामी अतिशय तीर्थ महावीर जी मे बीसवीं सदी के प्रथमांचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर जी महाराज के परंपरा के पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के वात्सल्यमय सानिध्य में श्री महावीर जी मे २४ साल बाद २४ नवम्बर से ४ दिसंबर तक होने वाले पंचकल्याणक महामस्तकाभिषेक के लिए जमनालाल जैन हपावत व अशोक दोषी के नेतृत्व में बंबई में तीन दिन तक दौरा किया व आचार्य श्री वसुं नंदी जी महाराज का आशीर्वाद लिया। आचार्य ने प्रफुल्लित मन से गद गद हो प्रशन्नचित मुद्रा से अपना मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया। बंबई के श्रेष्ठी गजेन्द्र पाटनी पाटनी कम्प्यूटर, कमल बड़जात्या राजश्री पिक्चर, एस पी जैन, रतन जैन, प्रभात जैन के यहाँ जाकर कलश की स्वीकृति प्राप्त की इसके लिए कलश आंबटन समिति के अध्यक्ष विवेक काला, जमनालाल जैन हपावत, अशोक सेठी बेंगलुरु, चंद्र प्रकाश पहाडिया, संजय दीवान, योगेश लुहाड़िया, अशोक दोषी आदि उपस्थित थे।जमनालाल जैन हपावत मुंबई कार्याध्यक्ष कलश आंबटन समिति व अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि को यह समस्त जानकारी प्रदान की।

श्रमण संस्कृति न्यास के चुनाव सम्पन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति न्यास के चुनाव सम्पन्न हुए। न्यास के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेशचंद बाबूजी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिवस जैन छात्रावास के सरस्वती हॉल में न्यास के सभी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई । जिसमें सर्वसम्मति से डॉ. मनोजकुमार जैन (जैन कॉलेज) को अध्यक्ष एवं मन्दिर कमेटी के उपमंत्री सौरभ जैन नायक (गढ़ी वाले) को महामंत्री चुना गया। ज्ञातव्य हो कि आज से लगभग 30 वर्ष पूर्व समाधिस्थ दिगम्बराचार्य श्री योगेन्द्रसागर जी महाराज के आशीर्वाद से श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति न्यास का गठन हुआ था । इस न्यास के गठन का मूल उद्देश्य यह था कि मुरेना नगर के आसपास क्षेत्र में कही भी कोई जैन साधु या साध्वी के विहार की जानकारी मिलती है तो न्यास तुरन्त सक्रिय होकर उनके आहार, विहार की सभी व्यवस्थाएं करेगा। तब से आज तक न्यास अपने उद्देश्यों की दिशा में सतत प्रयासरत है। न्यास के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री दोनों मिलकर अपनी कार्यसमिति का गठन करेंगे ।

सिध्दायतन द्रोणगिरि के कीर्ति स्तंभ का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

कीर्ति स्तंभ की स्थापना अगली पीढ़ी को देशभक्ति की प्रेरणा देने की पहल है: राज्यपाल पटेल

छतरपुर. शाबाश इंडिया। राजेश जैन 'रागी' बकस्वाहा। जिले के तीर्थधाम सिध्दायतन द्रोणगिरि मे नव निर्मित कीर्ति स्तंभ का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आभासी माध्यम से कीर्ति स्तंभ का अनावरण किया। कीर्ति स्तंभ अनावरण कार्यक्रम को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन से वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि कीर्ति स्तंभ की स्थापना अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य के निर्माण के लिए आत्म चिंतन और आत्म अवलोकन का प्रसंग है। यह भावी पीढ़ी को देश भक्ति, समाज सेवा के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा और प्रोत्साहन देने की अनुकरणीय पहल है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं,उन्हें नैतिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाना, राष्ट्र निर्माण में योगदान का सार्थक और सराहनीय रूप से मजबूत बनाना ,राष्ट्र निर्माण में योगदान का सार्थक और सराहनीय प्रकल्प है। उन्होंने कहा कि हमें अपने हर प्रयास और कार्य में यह सोचना चाहिए कि इससे देश को क्या लाभ होगा? देश के गरीब का कल्याण कैसे होगा। राज्यपाल ने कहा कि गांधीजी के आध्यात्मिक दृष्टि पर जैन दर्शन का गहरा प्रभाव था। जैन साधक और कवि श्रीमद् राजचंद्र से गांधी जी को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था । उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के मूल में पूरी मानवता के कल्याण की भावना विद्यमान है। जैन दर्शन का अहिंसा परमो धर्मः का सिद्धांत मानवता के कल्याण का पथ है।

जब कर्म की मार पड़ती है तो आवाज नहीं होतीः मुनि श्री सुधासागर जी

मुनि श्री ने कहा बड़ों को कभी उपदेश न देना

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्री अभिनन्दनादेय अतिशय तीर्थ में श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर महाराज ने कहा बड़ों को कभी भी उपदेश नहीं देना, गल्तियां भी करें तो भी डायरेक्ट मत बोलना कि तुम गलत हो। कभी भी मह पर सीधा नहीं बोलना। रावण और विभीषण का उदाहरण देकर उन्होंने कहा विभीषण ने यही किया था रावण बडा भाई था पर उसने भाई को समझाया कि सीता मां को वापस सौंप दो पर रावण नहीं माना और भरे राजदरबार में लात मारकर निकाल दिया। रावण उग्र हो गया क्योंकि वह राजा था, बडा था और अहंकारी था। मुनि श्री ने कहा जो कानून से नहीं डरते, पाप से नहीं डरते उन्हें कानून भले न सुधार पाए उन्हें कर्म सुधार देते हैं। मुनि श्री ने कहा धर्म के फल की महिमा सुनकर व्यक्ति बहुत प्रभावित होता है धर्म का फल मोक्ष है तो वह भी भाव बना लेता है कि मुझे मोक्ष जाना। अनंतों बार अच्छा बनने के भाव बनाए, सुध से जीवन जीने के भाव बनाए पर आज तक मोक्ष प्राप्त नहीं कर पाए। धनवान बनने के भाव भी बनाए पर नहीं बन पाए। उन्होंने

कहा ततरूप भाव करना तो सरल है पर तदरूप होना बहुत कठिन है। इसके पूर्व प्रातःकाल मूलननायक अभिनंदनाथ भगवान का श्रावकों ने अभिषेक किया इसके उपरान्त मुनि श्री के मुखारविन्द से शान्तिधारा हुई तदुपरान्त श्रावक श्रेष्ठि परिवारों ने आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं मुनि श्री का पादप्रक्षालन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आज निर्यापक मुनि श्री सुधासागर महाराज,मुनि पूज्यसागर महाराज, क्षुल्लक गम्भीर सागर का उपवास रहा क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज आहारदान का पुण्यार्ज न रमेश चंद जैन लागौन परिवार को मिला।

नन्दीश्वर जैन मंदिर पंचकल्याणक के लिए मुनि श्री से निवेदन

आज अभिनंदनादेय तीर्थ क्षेत्रपाल मंदिर में केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक ने मुनि सुधासागर महाराज से निवेदन करते हुए टीकमगढ नन्दीश्वर कालौनी में नवनिर्मित जिनालय के पंचकलयाणक के लिए आशीर्वाद एवं सानिध्य हतु निवेदन किया। श्री खटीक ने बताया पंचकल्याणक महोत्सव मुनि श्री के सानिध्य में अभूत पूर्व होगा जिसके लिए उन्होंने समूची जैन समाज को आमंत्रित किया। केन्द्रीय मंत्री के साथ नन्दीश्वर जैन मंदिर के अध्यक्ष गजेन्द्र चौधरी, उपाध्यक्ष डी. के. जैन, नगर के समाजसेवी ओमप्रकाश तिवारी, रमाकान्त तिवारी ने मुनि श्री के चरणों में निवेदन किया। जैन पंचायत के महामंत्री डा. अक्षय टडैया, शीलचंद अनौरा, महेन्द जैन मयूर, आनंद जैन, राजेन्द्र जैन थनवारा, अक्षय अलया, अशोक जैन दैलवारा, सुरेश बाबू जैन, अखिलेश गदयाना, कोमल चंद जैन मडवारी, सन्मति सराफ, आलाके मोदी आदि मौजूद रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

चम्बल एक्सप्रेस का ललितपुर में मिले हाल्ट, केन्द्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

केन्द्रीय मंत्री वीरेन्द्र खटीक को ललितपुर सेवा ग्रुप के शानूबाबा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमण्डल ने ज्ञापन देते हुए अवगत कराया कि तीर्थराज सम्मेद शिखर की वंदना के लिए चम्बल एक्सप्रेस को ललितपुर तक वढ़ाया जाए क्योंकि टीकमगढ महरौनी चंदेरी आदि क्षेत्र के लोगों को सम्मेदशिखर जी के लिए झांसी बीना जाना पढता है जिससे काफी परेशानी होती है यदि चम्बल एक्सप्रेस को ललितपुर हाते हुए टीकमगढ़ की ओर परिवर्तित कर दिया जाए तो जैन समाज लाभान्वित होगा साथ ही आवागमन सुगम हो जाएगा। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से सनत जैन खजुरिया, श्रीश सिंघई, अंकित सराफ, मनीष जैन, सौरभ जैन अभिषेक जैन समकित जैन आदि प्रमुख रहे।

आनलाइन क्लासों का बच्चों के स्वास्थ पर पड़ रहा कुप्रभाव

कर अधिवक्ता संघ ने कक्षा 1 से 8 तक विद्यालयों में आनलाइन शिक्षा के नाम पर बच्चों में मोबाइल के बढते प्रयोग पर चिन्ता जताते हुए राके जाने की मांग जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन के माध्यम से की। इनका कहना है कि कोविड-19 लॉकडान के कारण विद्यालयों के संचालन बंद हाने से शिक्षा को यथावत लागू रखने के लिए प्राईमरी जूनियर में आनलाइन शिक्षा लागू की गई थी जिससे बच्चे घर में रहकर पढाई कर सकें जो सराहनीय कदम रहा लेकिन कोविड का प्रभाव धीरे धीरे कम हुआ और ऑफलाइन शिक्षण व्यवस्थाए सुचारू हो गई है ऐसे में इसको रोका जाना जरूरी है क्योंकि मोबाइल के उपयोग से बच्चों के स्वास्थ पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से अध्यक्ष रूप नारायण विश्वकर्मा, शैलेन्द्र जैन, अजय अलया, अभय जैन, नीलेश जैन,मुकेश साहू, सत्येन्द्र जैन, प्रभाकर दिवाकर अखिलेश शर्मा,आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। उक्त जानकारी अक्षय अलया व डॉ सुनील संचय ललितपुर ने दी।